Resource: अध्ययन नोट्स (बिब्लिका)

License Information

अध्ययन नोट्स (बिब्लिका) (Hindi) is based on: Biblica Study Notes, Biblica Inc., 2023, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

अध्ययन नोट्स (बिब्लिका)

EZR

एज्रा 1:1–2:70, एज्रा 3:1–5:17, एज्रा 6:1–22, एज्रा 7:1–8:36, एज्रा 9:1–10:44

एज्रा 1:1–2:70

कुस्रू ने ईसा पूर्व 538 में एक महत्वपूर्ण संदेश की घोषणा की। उन्होंने यहूदियों को जो बाबुल में रह रहे थे, यहूदा लौटने की अनुमति दी।

कई वर्षों पहले, नबूकदनेस्सर ने उन्हें दक्षिणी राज्य छोड़ने और बाबुल में रहने के लिए मजबूर किया था। यह दक्षिणी राज्य की बंधुआई थी।

यशायाह की पुस्तक की एक भविष्यवाणी यहूदियों की वापसी के बारे में थी। इसमें कहा गया था कि परमेश्वर कुस्रू को प्रेरित करेंगे कि वह यहूदियों को लौटने दे (यशायाह 45:13)। इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने कुस्रू को वह निर्णय लेने के लिए प्रेरित किया।

यिर्मयाह ने भविष्यवाणी की थी कि परमेश्वर की प्रजा बाबुल में कितना समय बिताएगी (यिर्मयाह 29:1–9)। वे वहाँ इतने लंबे समय तक रहेंगे कि बाबुल उनका घर बन जाएगा। वे परिवार बनाएंगे, कड़ी मेहनत करेंगे और उपज उपजाएंगे। यिर्मयाह ने यह भी भविष्यवाणी की थी कि एक दिन परमेश्वर उन्हें उनके देश में वापस लाएंगे (यिर्मयाह 29:10–14)। वह वही भूमि थी जिसे परमेश्वर ने उन्हें अब्राहम के साथ अपनी वाचा में देने का वादा किया था।

जब वह समय आया, तब तक बाबुल ले जाए गए अधिकांश यहूदी, जिन्हें नबूकदनेस्सर के द्वारा ले जाया गया था, पहले ही मर चुके थे। उनके बच्चे और पोते-पोतियाँ बाबुल में पूरी तरह बस चुके थे। उनमें से कुछ ही लोग अपने पुरखों की भूमि पर वापस जाना चाहते थे। केवल वे ही लौटे जिन्हें परमेश्वर ने प्रेरित किया। इनमें से अधिकांश याजक, लेवी और यहूदा और बिन्यामीन के गोत्रों के लोग थे।

जो यहूदी लौटे थे, उन्हें यरूशलेम में परमेश्वर के लिए एक मन्दिर बनाना था। यह कुस्रू के आदेश का हिस्सा था। कुस्रू ने सुनिश्चित किया कि उनके पास यह करने के लिए सब कुछ हो।

ईसा पूर्व 586 में, नबूकदनेस्सर ने उस मन्दिर को नष्ट कर दिया था जो सुलैमान राजा के द्वारा बनाया गया था। उस समय नबूकदनेस्सर ने मन्दिर में परमेश्वर की आराधना के लिए उपयोग की जाने वाली वस्तुओं को हटा दिया था। कुस्रू ने उन वस्तुओं को यहूदियों को वापस दे दिया जो यहूदा लौट आए थे।

कुस्रू ने लोगों को यहूदियों को भेंट देने का आदेश भी दिया। ये उपहार और भेंटें उन यहूदियों से आईं जो बाबुल में रह गए। ये वहां रहने वाले अन्य लोगों से भी आईं। यह वैसा ही था जब परमेश्वर ने इस्राएलियों को गुलामी से मिस्र में छुड़ाया था। निर्गमन के समय, मिस्रवासियों ने इस्राएलियों को कई भेंटें दी। बाद में उन भेंटों का उपयोग पवित्र तम्बू बनाने के लिए किया गया। बाबुल के लोगों से मिली भेंटों का उपयोग दूसरे मन्दिर को बनाने के लिए किया गया।

एज्रा 3:1–5:17

यहोशू और जरुब्बाबेल ने यहूदियों को होम बलि के लिए वेदी बनाने में अगुवाई की। इससे उन्हें मूसा की व्यवस्था की आराधना विधियों का फिर से पालन करने की अनुमति मिली। परमेश्वर ने उन्हें सीनै पर्वत की वाचा में ये आराधना विधियाँ सिखाई थीं।

इनमें कई प्रकार के भेंट, बलिदान और पर्व शामिल किए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि परमेश्वर के लोगों को केवल परमेश्वर की आराधना करनी थी। उन्हें झूठे देवताओं की आराधना नहीं करनी थी। इन आराधना विधियों ने दिखाया कि परमेश्वर के लोग अन्य जातियों से अलग किए गए थे। उन्होंने दिखाया कि परमेश्वर के लोग याजकों का राज्य और एक पवित्र राष्ट्र थे।

यहूदी अपने चारों ओर की जातियों से डरते थे। इन जातियों में से कुछ वे लोग थे जिन्हें अश्शूर के राजा ने वहां रहने के लिए मजबूर किया था। ऐसा तब हुआ था जब अश्शूर ने उत्तरी राज्य पर नियंत्रण कर लिया था। इस्राएलियों को सामरिया और उसके आसपास के क्षेत्रों से निकाल दिया गया था। अश्शूरियों ने अन्यजातियों को वहां रहने के लिए मजबूर किया था। ये कुछ लोग मूसा की व्यवस्था का पालन करते थे। वे परमेश्वर की आराधना करते थे लेकिन वे अन्य देवताओं की भी पूजा करते थे।

जरुब्बाबेल और यहोशु को विश्वास नहीं था कि ये समूह पूरी तरह से यहोवा के प्रति समर्पित हैं। इसलिए इन समूहों को

मन्दिर बनाने में मदद करने की अनुमति नहीं दी गई। यहूदियों ने वेदी बनाने के तुरंत बाद मन्दिर का निर्माण शुरू कर दिया था। लेकिन इन अन्यजातियों ने काम को रोक दिया। फारस की सरकार के अधिकारियों ने भी काम को रोक दिया।

एज्रा 6:1–22

हाग्गै ने यहूदियों को काम रोकने के लिए फटकार लगाई और उन्हें इसे जारी रखने के लिए प्रेरित किया। हाग्गै के वचन इस विषय में हाग्गै की पुस्तक के अध्याय 1 और 2 में दर्ज हैं।

जकर्याह ने भी उन्हें जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। जकर्याह के इस बारे में वचन जकर्याह की पुस्तक के अध्याय 4 में दर्ज हैं।

यहूदी मन्दिर का निर्माण जारी रखते रहे जब दारा ने एक महत्वपूर्ण पत्र लिखा। यह पत्र अरामी भाषा में था। इसमें समझाया गया था कि कई वर्षों पहले का कुस्रू का आदेश मानना आवश्यक था। फारसी शासन को मन्दिर के निर्माण के लिए भुगतान करना था।

मन्दिर का निर्माण ईसा पूर्व 515 में पूरा हुआ। याजक और लेवी फिर से अपने कार्य करने लगे जैसे कि मूसा की व्यवस्था में वर्णित है। प्रत्येक समूह को उनके कर्तव्य दिए गए थे जब दाऊद राजा थे।

इसने बाबुल से लौटे यहूदियों को एक महत्वपूर्ण बात समझने में मदद की। वे परमेश्वर की आराधना वैसे ही कर सकते थे जैसे इस्राएली लोग मूसा और दाऊद की अगुवाई में करते थे। इससे उन्हें यह समझने में मदद मिली कि वे अभी भी परमेश्वर के लोग हैं। बंधुआई के बाद भी, परमेश्वर उनके साथ अपनी वाचा के प्रति विश्वासयोग्य बने रहे।

जो यहूदी बाबुल से लौटे थे, उन्होंने उत्सव मनाया। उन्होंने उन लोगों के साथ उत्सव मनाया जिन्हें दक्षिणी राज्य छोड़ने के लिए मजबूर नहीं किया गया था। सभी ने मिलकर फिर से फसह का पर्व मनाया। पहला फसह तब था जब परमेश्वर ने उन्हें मिस्र से बाहर निकाला था। अब उन्होंने यह उत्सव मनाया कि परमेश्वर ने अपने लोगों को बाबुल से बाहर निकाला। वे आनंद से भरपूर थे।

एज्रा 7:1–8:36

दूसरे मन्दिर के पूरा होने के 50 साल से अधिक समय बाद, एज्रा यरूशलेम गया। वह उन अन्य यहूदियों के साथ गया जिनके परिवारों को बाबुल में रहने के लिए मजबूर किया गया था।

फारस के राजा ने एज्रा को एक पत्र के साथ यरूशलेम भेजा। इसमें बताया गया था कि एज्रा को क्या करना होगा। राजा चाहता था कि यहूदा और यरूशलेम के यहूदी फारसी शासन के कानूनों का पालन करें। वह यह भी चाहते थे कि वे अपने धार्मिक व्यवस्था का पालन करें। ये नियम मूसा की व्यवस्था में संकलित थे। एज्रा को मूसा की व्यवस्था सिखानी थी और यह सुनिश्चित करना था कि लोग उसका पालन करें।

राजा ने सुनिश्चित किया कि एज्रा के पास अपनी ज़िम्मेदारियों को पूरा करने के लिए जो कुछ भी आवश्यक हो, वह सब कुछ हो। इसमें धन और सामग्री शामिल थे। इसमें न्यायियो और अधिकारियों को नियुक्त करने का अधिकार भी शामिल था, जो सही और न्यायपूर्ण कार्य करते थे। राजा का पत्र एज्रा और उसके समूह को अन्य फारसी अधिकारियों से सुरक्षा प्रदान करता था। फारसी अधिकारी उन्हें धन देने के लिए मजबूर नहीं कर सकते थे। यह पत्र उन्हें यात्रा के दौरान हमले या लूटपाट से नहीं बचा सकता था।

एज्रा फारसी राजा से सैनिकों और घोड़ों को भेजने के लिए कह सकते थे ताकि वे उनकी रक्षा कर सकें, लेकिन वे राजा को दिखाना चाहते थे कि सच्चे परमेश्वर अपने लोगों की देखभाल करते हैं। एज्रा और उनके समूह ने परमेश्वर पर भरोसा किया कि वे ऐसा करेंगे। उन्होंने परमेश्वर में अपने विश्वास को बिना भोजन के रहकर और स्वयं को विनम्र बनाकर दिखाया। एज्रा और उनके समूह ने उपवास (उपवास) किया और परमेश्वर से उनकी रक्षा के लिए प्रार्थना (प्रार्थना) की। परमेश्वर ने उन्हें सुरक्षित रखा।

जब वे यरूशलेम पहुंचे, तो उन्होंने विश्राम किया। फिर उन्होंने होमबलि और पापबलि के रूप में पशुओं की बलि दी।

एज्रा 9:1–10:44

एज्रा को यह सुनिश्चित करना था कि यहूदी मूसा की व्यवस्था का पालन करें। लोगों के अगुवों ने एज्रा को उस बात के बारे में बताया जिसमें उन्होंने आज्ञा का पालन नहीं किया। कुछ यहूदी पुरूषों ने उन महिलाओं से विवाह कर लिया था जो सच्चे परमेश्वर की आराधना नहीं करती थीं। परमेश्वर ने अपने लोगों से ऐसा न करने के लिए कहा था। इससे उनके परिवारों और समुदायों में समस्याएँ उत्पन्न हुईं।

जो इस्राएली झूठे देवताओं की पूजा करने वाले लोगों से विवाह करते थे, वे भी झूठे देवताओं की पूजा करने लगते थे। इससे वे दुष्ट काम करने लगे। इस्राएल के इतिहास में इसके कई उदाहरण हैं। इस्राएली अन्यजातियों के लोगों से विवाह कर सकते थे यदि वे एकमात्र परमेश्वर की आराधना करते। रूथ की कहानी इसका उदाहरण है, लेकिन इन यहूदी पुरूषों ने ऐसा नहीं किया था।

एज्रा *9:1–10:44*

एज्रा बहुत दुःखी हुए जब उन्होंने यह सुना। वे यहूदा और यरूशलेम के यहूदियों को सीनै पर्वत की वाचा के प्रति विश्वासयोग्य देखना चाहते थे। विश्वासयोग्य रहने से वाचा की आशीषें मिलती थी। इससे वे अपने परिवारों के साथ सदैव के लिए भूमि का आनंद लेते। वाचा के श्रापों ने उन्हें फिर से दास बना दिया था।

इस्राएली सैकड़ों साल पहले मिस्र में गुलाम थे। अब वे उस भूमि में वापस आ गए थे जिसे परमेश्वर ने अब्राहम के परिवार को देने का वादा किया था। वे उस भूमि के शासक नहीं थे, फारसी उन पर शासन कर रहे थे।

एज्रा ने इन यहूदी पुरूषों के पाप के बारे में परमेश्वर से प्रार्थना की। समुदाय ने निर्णय लिया कि इन पुरूषों को अपनी पत्नियों और बच्चों को दूर भेज देना चाहिए। इसका मतलब था कि वे अपनी पत्नियों को तलाक देंगे।